सीकर : मां ने तीन बेटों और एक बेटी के साथ फ्लैट में जहर खाकर आत्महत्या की

घटनास्थल पर जहर के 10 पैकेट मिले, इनमें से 8 का यूज किया गया था

- पुलिस के अनुसार इन लोगों ने सुसाइड कुछ दिन पहले ही कर लिया था, शव बुरी तरह से सड़ चुके थे
- फ्लैट से दुर्गंध आने पर बिल्डिंग में रहने वाले दूसरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जांच शुरु
- पति से अनबन के चलते महिला अपने 3 बेटों और एक बेटी के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थी

सीकर में सामूहिक हत्याकांड के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

सीकर, (निसं)। सीकर में एक परिवार के पांच लोगों ने सामूहिक सुसाइड कर लिया। मां ने अपने 3 बेटों और 1 बेटी के साथ फ्लैट में जहर खाकर जान दे दी। घटनास्थल पर जहर के 10 पैकेट मिले हैं, इनमें से 8 का यूज किया गया।

जानकारी के अनुसार, पति से अनबन के चलते महिला किरण अपने 3 बेटों सुमित, आयुष, अवनीश और बेटी स्नेहा के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थी। पांच लोगों के सुसाइड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। सुसाइड के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

सीओ धोद सुरेश शर्मा ने बताया कि फ्लैट काफी दिनों से बंद था और बिल्डिंग से तेज दुर्गंध आ रही थी। इन लोगों ने सुसाइड कुछ दिन पहले ही कर लिया था। शव बुरी तरह से सड़ चुके थे। फ्लैट से दुर्गंध आने पर बिल्डिंग में रहने वाले दूसरे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि अंदर घुसने में भी कठिनाई हो रही थी। दुर्गंध को कम करने के लिए अगरबत्ती और इत्र का उपयोग किया गया, इसके बाद पुलिस टीम अंदर जा पाई। महिला के दूसरे पति का नाम शैलेश है, जो किसी प्राइवेट स्कूल में नौकरी करता है। एक साल से वह भी महिला के कॉन्टैक्ट में नहीं था। शैलेश झुंझुनूं का रहने वाला है। वहीं, महिला के फ्लैट में से शराब की बोतलें बरामद की गई हैं। किरण सीकर के मुंडवाड़ा गांव के रहने वाली थी। गांव के ही नेमीचंद से शादी करने के लिए घर से भाग गई थी। उस समय किरण के नाबालिग होने पर उसे पकड़कर नारी निकेतन में शिफ्ट कर दिया गया था। बालिग होने पर उसने नेमीचंद से लव मैरिज की थी, लेकिन 2019 में दोनों का तलाक हो गया। महिला के पहले पति का नाम नेमीचंद है, जो सीकर के मुंडवाड़ा गांव का रहने वाला है। खेती से जुड़े काम करता है। दोनों के एक लड़का और एक लड़की थी। 5 साल पहले दोनों का तलाक हो गया था। भरण-पोषण का मामला कोर्ट में चल रहा है। किरण उर्फ पिंकी चौधरी मारवाड़ी वीडियो बनाकर यूट्यूब पर पोस्ट करती थी। उसके पेज पर करीब 1 हजार सब्सक्राइबर हैं। शवों को हॉस्पिटल ले जाने के लिए पिकअप मौके पर बुलाई गई है। किरण फेसबुक पर रील बनाकर डालती थी। उसके करीब 7 हजार फॉलोअर्स हैं। आखिरी वीडियो 29 सितंबर को डाला था। जानकारी के अनुसार, किरण उर्फ पिंकी चौधरी का पहले पति से 2019 में तलाक हो गया था। पहले पति से किरण को 2 बच्चे थे। दूसरे पति से भी 2 बच्चे थे। 2 बच्चों की पहचान सुमित और स्नेहा रूप हुई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ में जुटी है। सीओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु का सही समय और कारण स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह सामने आ सके।

जयपुर : किराये के मकान में एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की

बुजुर्ग दम्पती सहित बेटे का शव कमरे में मिला

- पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, सुसाइड नोट में जानकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में किराये पर रह रहे एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह जब कमरा नहीं खुला तो मकान मालिक ने मृतक परिवार के रिश्तेदारों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गेट तोड़ा तो माता-पिता और एक बेटे का शव कमरों में मिला। वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में जानकार पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह पुलिस कंट्रोल से सूचना मिली कि एक मकान में रहने वाले किरायेदार कमरा नहीं खोल रहे हैं, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, गेट को कई बार बजाया लेकिन गेट नहीं खोला तो गेट तोड़ा गया। जाली वाला गेट अंदर से बंद था लेकिन मेन गेट अंदर से बंद नहीं मिला। मेन गेट के पीछे ही युवक का शव मिला और वहीं आगे हॉल में पिता का शव और वहीं कमरे में महिला का शव मिला। मृतकों की पहचान रूपेन्द्र शर्मा (63) पुत्र हरिनारायण शर्मा निवासी सुंदर नगर महाराणा प्रताप रोड, सुशीला शर्मा (58) पत्नी रूपेन्द्र शर्मा और पुलकित शर्मा (32) के रूप में हुई है। पुलिस जानकारी के अनुसार रूपेन्द्र शर्मा राजस्थान बैंक में अकाउंट में थे। समय से पहले वीआरएस लेकर सेवा छोड़ दी थी। सुशीला शर्मा हाउस वाइफ थी। वहीं बेटा रूपेन्द्र एक निजी कंपनी में काम करता था।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि कमरे के टेबल पर एक पन्ने का सुसाइड नोट मिला। सुसाइड नोट अंग्रेजी में लिखा था जिसमें एक परिचित पर आरोप लगाये हुए थे। सुसाइड नोट के आधार पर परिजनों ने मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों के शवों को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

महिला ने घर में ही फंदा लगाकर जान दी

डूंगरपुर, (निसं)। चौरासी थाना क्षेत्र के पाकरोण गांव में एक महिला का शव घर में ही फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। घटना के बाद परिवार के लोगों ने शव देखा तो चौक गए। वहीं, पीहर पक्ष ने भी मौत के कारणों का पता लगाने की मांग की है।

चौरासी थाना एएसआई बताया कि पाकरोण निवासी हाजू पत्नी बदा ननोमा ने शुक्रवार रात के समय घर में ही फांसी का फंदा लगा लिया। परिवार के लोगों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो होश उड़ गए। घटना के बाद गांव के लोग इकट्ठे हो गए। सूचना पर वेंजा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी लेने के बाद मौका पंचनामा बनाकर शव को डूंगरपुर अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया। घटना की सूचना पर पीहर पक्ष के लोग भी पहुंच गए। पीहर पक्ष ने मौत के कारणों की जांच करवाने की मांग करने लगे। वहीं, ससुराल और पीहर पक्ष के बीच विवाद की स्थिति बन गई, जिस पर पुलिस ने दोनों पक्षों से समझाइश के प्रयास किये।

मवेशी को बचाते पांच गाड़ियां भिड़ी, चार लोगों की मौत

- डिवाइडर पर खड़े थे लोग और कंटेनर ने चपेट में ले लिया

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर ऋषभदेव में उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर मयूर मिल के समीप शनिवार रात भैंस से बोलेरो टकरा गई, बोलेरो जिसमें छह लोग सवार थे। घटना के बाद सभी डिवाइडर पर उतर गए, लेकिन उसी वक्त वहां से एक कंटेनर गुजरा और वह भी भैंस से टकरा गया और डिवाइडर पर खड़े चार लोगों को चपेट में ले लिया और सड़क के उस पार करीब पांच वाहनों से टकरा गया। हादसे में चार जनों की मौत हो गई, जिसमें दो पुरूष व दो महिला शामिल है। घटना में गंभीर घायल ट्रक चालक को उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया है। वहीं दो घायलों को ऋषभदेव चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंचाया। जानकारी के अनुसार ऋषभदेव में उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर मयूर मिल के समीप यह हादसा हुआ। हादसे में चार जनों की मौत हुई है जिनकी शिनाख्त कर ली गई है। हादसे के बाद शव सड़क पर बिखर गए। घटना के बाद पुलिस उपाधीक्षक ऋषभदेव राजीव राहर, एसडीएम ऋषभदेव, थानाधिकारी ऋषभदेव भारत सिंह राजपुरोहित व एएसआई किशोर सिंह मय जाब्ता मौके पर पहुंच वाहनों को सड़क से हटाते हुए यातायात सुचारू कराया और घटना में घायलों व शवों को चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने शवों को ऋषभदेव चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है।

15 लाख की शराब पकड़ी, एक गिरफ्तार

- ट्रक में प्लास्टिक कैरेट की आड में शराब के 240 कार्टन भरे हुए थे

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान के तहत बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने लगातार तीसरे दिन अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने रतनपुर बॉर्डर पर अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त करते हुए चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ट्रक से 15 लाख की शराब जब्त की है।

बिछीवाड़ा थाने के थानाधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि डूंगरपुर जिले में पुलिस की ओर से अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत रतनपुर बोर्डर पर पुलिस की ओर से नाकेबंदी की जा रही थी। इस दौरान मुखबिर के जरिये शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर उदयपुर की ओर से आ रहे एक ट्रक को रुकवाया गया। पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली तो ट्रक में प्लास्टिक कैरेट की आड में शराब के कार्टन भरे हुए थे। पुलिस ने आबकारी अधिनियम में ट्रक चालक सिरोही निवासी कानाराम देवासी को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने ट्रक से अवैध शराब के 240 कार्टन बरामद किये। थाना अधिकारी कैलाश सोनी ने बताया कि जब्त शराब की कीमत करीब 15 लाख रूपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने 9 अक्टूबर को शराब से भरा एक टेम्पो व 10 अक्टूबर को शराब से भरी एक पिकअप को भी जब्त किया था।

राम जलसेतु लिंक परियोजना से लेकर जल संरक्षण के लिए कार्य कर रही है सरकार : भजनलाल शर्मा

- झुंझुनूं के मंड्रेला में जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने शिरकत की
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान देशभर में बनेगा जल संचयन की मिसाल : केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने पात्रों को चैक प्रदान किये।

झुंझुनूं/जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जल संचय-जन भागीदारी के आव्हान पर दूसरे राज्यों में बसे प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिये आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी भी हर गांव, हर खेत में वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजने का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ियों को एक समृद्ध और सुरक्षित भविष्य प्रदान करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को झुंझुनूं के मंड्रेला में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में आयोजित जल संचय-जन भागीदारी-जन आंदोलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय प्रदेश में जलजीवन मिशन में अनियमिताएं हुई, जिन पर हमारी सरकार ने ठोस कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जेजेएम हुई गड़बड़ियों से संबंधित किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना से लेकर जल संरक्षण एवं संचयन के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए पूर्ववर्ती सरकार ने कोई काम नहीं किया, जबकि हमारी सरकार ने गठन के साथ ही हरियाणा सरकार के साथ यमुना जल समझौते का एमओयू किया और इसकी डीपीआर पर काम चल रहा है। इसी तरह हमारी सरकार ने राम जलसेतु लिंक परियोजना के लिए केंद्र एवं मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू किया। इस परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अब तक जितने काम किए हैं, वे काम पूर्ववर्ती सरकार अपने पूरे कार्यकाल में नहीं कर पाई। हमने अब तक जल परियोजनाओं में लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि हमारे देश में लगभग 4 हजार बीसीएम वर्षा जल उपलब्ध होता है, जबकि हमारी वार्षिक जल आवश्यकता लगभग 1200 बीसीएम है। जल संचयन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान की शुरूआत की गई है।

जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन के कार्य समय पर नहीं हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार कुंभाराम लिफ्ट परियोजना तथा यमुना जल समझौते के माध्यम से शेखावाटी क्षेत्र के घर-घर में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों के लाभार्थी संतोष देवी (पीएम आवास योजना), आशा देवी (मंगला पशु बीमा योजना), सोनी मिश्रा (पीएम स्वनिधि योजना) को प्रमाण पत्र सौंपे गए। वहीं, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतडी नगर के सहयोग से निक्षय पोषण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, विधायक विक्रम जाखल, धर्मपाल गुर्जर, राजेंद्र भांबू, गोरधन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

छात्रा का शव मिला

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में स्थित एक होटल के कमरे में केलवाड़ा निवासी एक छात्रा का शव फंदे पर लटका मिला। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब होटल कर्मचारी चेकआउट के लिये छात्रा के कमरे के बाहर पहुंचा और दरवाजा नहीं खोलने पर होटल वालों ने इसकी सूचना नयापुरा पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस पहुंची। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि सूचना पर टीम मौके पर पहुंची, थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा का शव कमरे के अंदर फंदे पर लटका मिला, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान बारां जिले के केलवाड़ा निवासी प्रीतिहेड़ी के रूप में हुई, थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा शुक्रवार को घर से अकेली निकली थी और नयापुरा मे एक होटल में रूकी थी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए अंतर जिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद कर चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

भीमसिंह पुत्र हेमराज मीणा निवासी सरसिया ने रिपोर्ट दी थी कि उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली चौधरी धर्मकांटा के सामने से एक अक्टूबर की रात लगभग एक बजे चोरी हो गया। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम गठित की और देवली, टोंक, सवाईमाधोपुर, दौसा, अलवर में तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति श्यामलाल दरोगा को ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित पकड़ा। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली और खुलासा किया कि उसने चोरी किए गए ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ घमंडी मीणा, मनकेश मीणा और रामभरौसी मीणा को बेचे थे। पुलिस ने तुरंत सवाईमाधोपुर जिले के मित्रपुरा क्षेत्र में दबिश देकर तीनों को डिटेन किया और उनकी निशानदेही पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली घाटा नैनवाड़ी चौराहा से बरामद कर लिए। श्यामलाल दरोगा , घमंडी मीणा, मनकेश मीणा, रामभरौसी मीणा आरोपी है। ट्रैक्टर को चोरी करने के लिए शातिर तरीका अपनाया करते थे। मुख्य आरोपी श्यामलाल दिन के समय इलाके में रैकी करता था और रात में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी कर अपने साथियों को बेच देता था।

गोलीकांड के आरोपियों की परेड निकाली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के प्रतापपुरा गांव में गोली चलाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनकी परेड निकाली। जानकारी के अनुसार आसींद के प्रतापपुरा गांव में एक गैराज में युवक पर फायर किया गया था। थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने बताया कि इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक नाबालिग सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान आसींद निवासी देवेंद्र सेन और फुलदेह का बाडिया निवासी प्रताप सिंह रावत के रूप में हुई है। इन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच आसींद बस स्टैंड से बड़ा मंदिर होते हुए पंचायत समिति तक परेड निकाली गई।

लाठी-डंडों से पीटकर युवक की हत्या

अलवर, (निसं)। अलवर में युवक पर लाठी-डंडे और साइकिल की रिम से हमला कर हत्या कर दी। हमले में युवक के भाई का भी हाथ टूट गया। आरोप है कि हमलावरों ने सिर तन से जुदा के नारे लगाए। दोनों भाइयों पर नौ अक्टूबर की रात 10 बजे हमला हुआ। 10 अक्टूबर की शाम एक भाई की मौत हो गई थी। हत्या के बाद शनिवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया था। अस्पताल में इकट्ठा हुए हिंदू संगठन के लोगों ने हंगामा कर दिया था। दोपहर बाद समझाइश पर धरना खत्म कर दिया गया था।

एमआईए थानाधिकारी मोहन कुमार ने बताया कि हमले में देसूला निवासी करण मल्होत्रा (24) की मौत हो गई। उसका चचेरा भाई चिंटू मल्होत्रा (32) का बायां हाथ टूट गया। चिंटू ने 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दी है। थानाधिकारी ने बताया कि 9 अक्टूबर को चिंटू अपनी पत्नी और बच्चों के साथ स्कॉर्पियो से घर लौट रहा था। बैंक के पास ढाबा चलाने वाला कमला कॉलोनी निवासी मुनफेद खान, अपने साथी दीनू, साहिल उर्फ सांडा, अगरू, इरफान, आशु, यूसुफ, साहिल, हाकम समेत करीब 10 लोगों के साथ घात लगाए बैठा था। आरोपियों ने लाठी-डंडों से गाड़ी में तोड़फोड़ की और हमला कर दिया। इस दौरान उसने चचेरे भाई करण को कॉल किया। कुछ देर बाद उसका करण, अमित और अंगद मौके पर पहुंचे थे। बचाव करने के दौरान अली और मुनफेद ने साइकिल की रिम से करण के सिर पर वार किया था। इससे वह गंभीर घायल होकर गिर पड़ा। वहीं, चिंटू पर लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे उसका एक हाथ फ्रैक्चर हो गया था।

आरोप है कि आरोपी पाले खान ने देसी कट्टे से फायर करने की भी कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली थी। हमले के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी।

एडीएम बीना महावर ने कहा कि आरोपी जल्द अरेस्ट होंगे, मौके पर अस्थाई अतिक्रमण हटा दिया है। बाकी जांच कर आगे की कार्रवाई होगी। एएसपी कांबले ने कहा कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद आरोपियों को आज ही गिरफ्तार करेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। मामले में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। कमेटी के सुझाव हैं, उनमें जो भी लीगल है, उनके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की 27 सदस्यीय कमेटी तय करेगी कि परिजनों की कौनसी मांग मानी जाती है। पुलिस और प्रशासन लगातार समझाइश के प्रयास कर रहा है। प्रशासन की ओर से आरोपियों के ढाबे पर बुलडोजर चलाया। विधायक सुखवंत सिंह ने कहा है कि कोई भी आरोपी नहीं बचेगा। पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि यूपी की तरह आरोपियों के मकानों पर बुलडोजर चलाया जाए। पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और मुआवजा दिया जाए। घटना से हिंदू समाज में रोष है। यदि आपसी विवाद है तो कानून का सहारा लिया जाता है, हत्या नहीं की जाती है। गोकशी करने वालों को भुगतना पड़ेगा। हम आगे निर्णय करेंगे। संपूर्ण हिंदू समाज एक होकर संघर्ष करेंगे।

50 लाख के सोने का गबन : 500 ग्राम की बजाय 384 ग्राम नकली सोना निकला

- जयपुर से जोधपुर आए कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक को नकली सोना थमाया
- कंपनी की बेंगलुरु ब्रांच से ज्वैलरी का पार्सल आया, जिसे रूकमणि ज्वैलर्स जोधपुर को डिलीवर करना था

जोधपुर, (कांस)। जयपुर से जोधपुर आए एक कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक को नकली सोना थमा दिया गया। पांच सौ ग्राम सोने के बदले में 384 ग्राम गोल्ड दिया गया, जिसे भी बाद में जांच की तो वह भी नकली निकला। यहां स्थानीय सरदारपुरा रेलवे स्टेशन पर ज्वैलरी शॉप पर काम करने वाले दो लोगों के खिलाफ अब धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज कराया गया है। सोने की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये बताई है। सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल को इसकी जांच सौंपी गई है।

पुलिस के अनुसार मूलतः झुंझूनु के नवलगढ़ हाल माणक चौक जयपुर के रहने वाले सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश सैनी ने यह रिपोर्ट दी है। इनका कहना है कि वे जयपुर में चौड़ा रास्ता स्थित एक कोरियर कंपनी के ब्रांच मालिक है। उन्हें कंपनी की बेंगलुरु ब्रांच से ज्वैलरी का पार्सल आया, जिसे रूकमणि ज्वैलर्स जोधपुर को डिलीवर करना था। रिपोर्ट में सुनील ने बताया कि वह 2 अक्टूबर को जयपुर से रात 11 बजे बस से रवाना होकर 5.30 बजे जोधपुर पहुंचा। यहां पहुंचने पर रूकमणि ज्वैलर्स के प्रतिनिधि से फोन पर बात की, जिस पर प्रतिनिधि बोला कि उनका कारीगर महेंद्र पार्सल लेने आ रहा है और महेंद्र के नंबर उन्होंने सुनील को वॉट्सऐप पर भेज दिए। फिर वह पार्सल महेंद्र को दे दिया और रूकमणि ज्वैलर्स के प्रतिनिधि से बात करवा दी। इसके बाद पार्सल के बदले 500 ग्राम सोना सुनील को उनसे लेना था। महेंद्र ने सोने का 500 ग्राम बिस्किट उसे दे दिया। इसके बाद वह वापस जयपुर चला गया और 500 ग्राम सोना बेंगलुरु ब्रांच में पहुंचा दिया। बेंगलुरु में पार्सल का वजन चैक किया तो उसमें 500 ग्राम वजन की बजाय 384 ग्राम वजन निकला। इसके बाद उस सोने के बिस्कुट की जांच की गई तो वह भी नकली पाया गया। इसके बाद उन्हें बेंगलुरु से फोन आया और पूरी घटना की पूरे मामले की जानकारी दी गई। इस पर सुनील ने फोन किया तो दोनों नंबर जिन से बात हुई थी वह बंद आ रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया कि परिवादी को पार्सल के बदले में 502 ग्राम कुछ मिलीग्राम सोना उनसे वापस लेना था जो कि मुझे 500 ग्राम का बिस्किट 999 का मिल गया और कुछ मिलिग्राम कम था उसका मुझे 27,000 रूपए और कोरियर चार्ज 18 हजार और कुल 45 हजार रूपए प्राप्त किए थे। परिवादी सुनील बाद में जोधपुर से सुबह सात बजे रोडवेज बस के द्वारा जयपुर पहुंच गया। शाम को 500 ग्राम सोना जयपुर से वांया हैदराबाद होते हुए बैंगलोर मेरी ब्रांच में पहुंचा दिया। उसके बाद मेरी बैंगलोर ब्रांच का स्टाफ बैंगलोर वाली पार्टी को पार्सल देने गया तो डेली के हिसाब से बैंगलोर वाली पार्टी ने वजन चैक किया जिसमें जो 500 ग्राम का सोने का बिस्किट था जिस पर छपाई 500 ग्राम की थी, उसका वजन 384 ग्राम और कुछ मि.ली. निकला। इसके बाद सोने की गुणवत्ता जांच में यह नकली मिला।

तस्कर को दस साल की सजा

जोधपुर, (कांस)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने करीब 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। सरकार की ओर से पैरवी हेतु नियुक्त विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी ने बताया कि बीस जुलाई 2012 को ओसियां के तत्कालीन थानाधिकारी राजीव भादू ने पांचला गांव में नाकाबंदी के दौरान हेमनगर जोलियाली निवासी रमेश पुत्र पांचाराम विश्नोई से मोटरसाइकिल के बैग से दो किलो अफीम का दूध बरामद कर गिरफ्तार किया था तथा बाद अनुसंधान आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत की थी। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक गोविन्द जोशी ने न्यायालय से आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की।

अस्पताल में आए बुजुर्ग मरीज को महिला रेजिडेंट ने थप्पड़ मारे

- जेएलएन अस्पताल में बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले में महिला डॉक्टर को क्लीन चिट

अजमेर, (निसं)। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में उपचार करवाने आए एक बुजुर्ग को महिला रेजिडेंट ने थप्पड़ मारे। थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो में बुजुर्ग ने रेजिडेंट से माफी भी मांगी तथा सिक्योरिटी गार्ड ने बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया, लेकिन रेजिडेंट उसे थप्पड़ मारती पीटती रही। थप्पड़ मारने के मामले में जिला प्रशासन द्वारा रिपोर्ट मांगने पर अस्पताल प्रशासन ने जांच टीम गठित कर शनिवार को सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल करने के बाद अस्पताल में बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले में महिला डॉक्टर को क्लीनचिट दे दी है। जांच कमेटी का कहना है कि बुजुर्ग व्यक्ति ने डॉक्टर को गलत तरीके से छुआ था, जिसके बाद डॉक्टर ने आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया दी।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो शुक्रवार देर शाम का बताया जा रहा है, जिसमें एक बुजुर्ग आई पोर्च ओपीडी से बाहर निकल रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही दो महिला रेजिडेंट डॉक्टर में से एक से बुजुर्ग का कंधा टकरा गया था, रेजिडेंट इतनी नाराज हुई कि उसने बुजुर्ग व्यक्ति एक के बाद एक कई थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। हालांकि वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया, लेकिन रेजिडेंट उसे थप्पड़ मारती रही। जिला कलेक्टर ने घटना की जानकारी मांगने पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, उपाधीक्षक डॉ. अमित यादव कंट्रोल रूम पहुंचे और सीसीटीवी कैमरे की जांच करवाई है।

महिला रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा बुजुर्ग को थप्पड़ मारने के मामले की जांच पूरी हो गई है। अस्पताल अधीक्षक द्वारा गठित जांच समिति ने रिपोर्ट सौंपते हुए डॉक्टर को क्लीनचिट दी है। समिति ने पाया कि बुजुर्ग व्यक्ति ने डॉक्टर को गलत तरीके से छुआ था, जिसके बाद डॉक्टर ने आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया दी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि डॉक्टर का उद्देश्य हमला करना नहीं था। घटना के बाद इंटर्न एसोसिएशन ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य को महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा को लेकर ज्ञापन सौंपा।